24 न्यूज अपडेट

ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 194

पृष्ठ 4

विला खरीद मामले में IAS शिखर अग्रवाल हाईकोर्ट पहुंचे, ACB जांच की मंजूरी को दी चुनौती, 19 को सुनवाई



24 न्यूज अपडेट

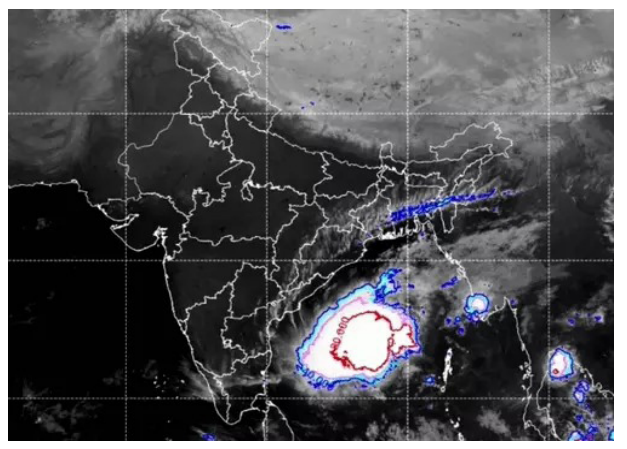
जयपुर। विला खरीद प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की जांच के खिलाफ एपीओ चल रहे आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में राज्य सरकार की ओर से एसीबी को विस्तृत जांच की अनुमति देने के फैसले को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट की एकलपीठ 19 नवंबर को इस पर सुनवाई करेगी।

याचिका में कहा गया है कि 27 अक्टूबर को मामले से जुड़ी खबर मीडिया में प्रकाशित हुई थी और अगले ही दिन शिखर अग्रवाल को एपीओ कर दिया गया। इसके बाद 30 अक्टूबर को राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत एसीबी को विस्तृत जांच की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ता का तर्क है कि उनका स्पष्टीकरण लिए बिना ही जांच की मंजूरी दी गई और पूरी प्रक्रिया जल्दबाजी में अपनाई गई। याचिका में यह भी कहा गया है कि अलवर के अजबगढ़ स्थित रिसॉर्ट के पास वैध सीटीई और सीटीओ हैं। साथ ही, करोड़ों रुपए के इस प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले बोर्ड से मंजूरी मिली थी। याचिका के साथ अंतरिम राहत के लिए प्रार्थना पत्र भी लगाया गया है। इसमें याचिका के निस्तारण तक दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है।

क्या है पूरा मामला

मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार, आईएएस शिखर अग्रवाल ने अपनी पत्नी आईपीएस प्रशाखा माथुर और परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर वर्ष 2023 से 2026 के बीच गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड से उदयपुर के बुझड़ा स्थित रिसॉर्ट में 20 कॉटेज और अलवर के अजबगढ़ में 20 विला खरीदे थे। इन संपत्तियों की कीमत करीब 6.16 करोड़ रुपए दर्शाई गई, जबकि आरोप है कि इनका बाजार मूल्य इससे काफी अधिक है। खबरों के मुताबिक, संपत्तियां खरीदने के तुरंत बाद इन्हें उसी कंपनी को करीब 1.80 करोड़ रुपए सालाना लीज पर दे दिया गया। यह भी आरोप है कि अलवर के विला की रजिस्ट्री वाले दिन ही वित्त विभाग ने संबंधित कंपनी के प्रोजेक्ट को रिप्स के तहत विशेष रियायती पैकेज और टैक्स छूट देने के आदेश जारी किए थे। मामले में एसीबी जांच कर रही है।

चक्रवात अकवान के गंभीर तूफान में बदलने के आसार



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान मंगलवार शाम तक गंभीर तूफान का रूप ले सकता है। इसके 19 नवंबर की रात आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, इस दौरान 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इनकी गति 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में 21 नवंबर तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अकवान तीन सप्ताह में आंध्र प्रदेश को प्रभावित करने वाला तीसरा चक्रवात होगा। इससे पहले आए चक्रवात अर्नब और मुरासु के कारण करीब 7 हजार करोड़ रुपए की फसल बर्बाद होने का अनुमान है।

पहाड़ों पर बर्फबारी, बद्रीनाथ में तापमान माइनस 11 डिग्री

देश के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश से ठंड बढ़ गई है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में बर्फबारी के बाद तापमान गिरकर माइनस 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यहां नदी का पानी भी जमने लगा है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार समेत आठ राज्यों में मंगलवार सुबह कोहरा छाया रहा।

आजम खान को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 426 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में अंतरिम जमानत



24 न्यूज अपडेट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को बड़ी राहत दी। कोर्ट की डिवीजन बेंच ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें अंतरिम जमानत दे दी। जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस देवेंद्र सिंह की पीठ ने ईडी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। जमानत की औपचारिकताएं पूरी होने पर बुधवार को उनकी रिहाई हो सकती है। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि 31 अक्टूबर को रामपुर जेल के गेट से आजम खान की गिरफ्तारी के दौरान संविधान के अनुच्छेद 22(1) और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA) की धारा 19 के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। आजम के वरिष्ठ अधिवक्ता इमरानुल्लाह के अनुसार, कोर्ट ने एक व्यक्तिगत मुचलका और समान राशि के दो जमानती पेश करने पर रिहाई का आदेश दिया है।

गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर कोर्ट ने उठाए सवाल

अदालत के मुताबिक, पैन कार्ड मामले में जमानत मिलने के बाद 31 अक्टूबर को शाम 7:10 बजे आजम खान को जेल के गेट से ही गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने इस कार्रवाई को प्रथम दृष्टया दुर्भावनापूर्ण माना। गिरफ्तारी के समय उन्हें लिखित में कारण नहीं बताए गए और अरेस्ट मेमो में जगह, तारीख व समय का विवरण भी खाली था। कोर्ट ने यह भी कहा कि 31 अक्टूबर की रात 9:10 बजे उनकी बहन को वॉट्सऐप संदेश और 9:19 बजे ई-मेल भेजा गया, लेकिन दोनों के साथ गिरफ्तारी के आधार से जुड़े दस्तावेज नहीं थे। ईडी ने गिरफ्तारी की वीडियोग्राफी कराने का दावा किया था, लेकिन अदालत के सामने कोई वीडियो या फोटो पेश नहीं किया गया। रिमांड अर्जी में भी वीडियोग्राफी का उल्लेख नहीं था। ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह और आजम खान को प्रत्युत्तर के लिए 10 दिन का समय दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट से भी मिली राहत

इससे पहले 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजते हुए अंतरिम राहत पर जल्द फैसला करने को कहा था। मंगलवार सुबह सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र मामले में भी उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जमानत देने के फैसले को बरकरार रखा।

IPL से धोनी का संन्यास, CSK ने बनाया मेंटर, 19 साल के सफर पर लगा विराम, बोले- फैंस ने मुझे गलत साबित कर दिया



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी ने IPL को अलविदा कह दिया है। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने मंगलवार को उन्हें टीम का मेंटर नियुक्त किया। धोनी 19 साल तक IPL में खेले, जिनमें 17 सीजन चेन्नई के साथ बिताए। 2016 और 2017 में CSK पर प्रतिबंध के दौरान वे राइजिंग पुणे सुपरजायंट की ओर से खेले थे। धोनी ने IPL में 278 मैच खेलकर 5,314 रन बनाए। उनकी कप्तानी में चेन्नई ने पांच IPL और दो चैंपियंस लीग टी-20 खिताब जीते। CSK की मालिक रूपा गुरुनाथ के मुताबिक, शनिवार को वीडियो कॉल पर 2027 सीजन के लिए रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों के नाम तय किए जा रहे थे। इसी दौरान धोनी ने कहा कि सूची में उनका नाम भी जोड़ दिया जाए।

इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर दी जानकारी

धोनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इसके कैप्शन में लिखा कि फैंस ने उन्हें गलत साबित कर दिया। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए इससे बेहतर गाना नहीं हो सकता था। उन्होंने यह भी लिखा कि शायद इस गाने के दो वर्जन बनाए गए थे, ताकि वे गलती कर सकें और फिर उसे स्वीकार भी कर सकें। गौरतलब है कि धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उस समय भी उन्होंने अपने विदाई वीडियो में 'पल दो पल का शायर' गाना इस्तेमाल किया था।

श्रीनिवासन बोले- धोनी के बिना CSK की कल्पना नहीं

CSK के मालिक एन. श्रीनिवासन ने कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। करीब 20 साल से उनका साथ है। वर्ष 2008 में उन्होंने ही धोनी को टीम में शामिल करने का सुझाव दिया था और यह उनका सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। धोनी हमेशा CSK की पहचान रहेंगे और यह टीम उनका घर रहेगी।

मुंबई में प्रिंस विलियम ने दौड़ाया टुक-टुक, पीछे बैठीं प्रिंसेस केट; अर्थशॉट प्राइज के फाइनलिस्ट से की मुलाकात



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट भारत दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को मुंबई में खास अंदाज में नजर आए। प्रिंस विलियम ने खुद टुक-टुक चलाया और प्रिंसेस केट पीछे की सीट पर बैठीं। टुक-टुक पर अर्थशॉट प्राइज का लोगो लगा हुआ था। इस तरह कार्यक्रम में पहुंचने पर केट ने कहा, "यहां आने का यह सबसे अच्छा तरीका है।" दोनों बांद्रा-वर्ली सी लिंक प्रोमेनेड पहुंचे, जहां उन्होंने अर्थशॉट प्राइज-2026 के फाइनलिस्ट से मुलाकात की। इस दौरान वे पर्यावरण संरक्षण और उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए काम कर रहे लोगों और संस्थाओं से रूबरू हुए। प्रिंस विलियम और केट मुंबई में ई-रिक्शा की सवारी भी करेंगे। प्रिंस विलियम ने करीब छह साल पहले अर्थशॉट प्राइज की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान खोजने वाले नवाचारों और प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। हर साल पांच विजेताओं का चयन किया जाता है और प्रत्येक को 10 लाख पाउंड यानी करीब 11 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी जाती है। मुंबई में मंगलवार को इस पुरस्कार का छठा समारोह आयोजित होगा।

चीन की AI ताकत पर अमेरिकी शिकंजा, ट्रम्प प्रशासन ने लागू किए अब तक के सख्त एक्सपोर्ट नियम



24 न्यूज अपडेट

अमेरिका। अमेरिका ने चीन की एडवांस AI तकनीक तक पहुंच सीमित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को नए एक्सपोर्ट कंट्रोल नियम जारी किए, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए। इनका मकसद चीन को अमेरिकी AI चिप्स की कंप्यूटिंग क्षमता का अप्रत्यक्ष इस्तेमाल करने से रोकना है। नए नियमों के तहत चीन, रूस, ईरान और क्यूबा जैसे देशों की कंपनियों को सेवाएं देने वाले विदेशी डेटा सेंटरों को अपने वास्तविक एंड-यूजर्स की पहचान बतानी होगी। वहीं, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और ब्राजील जैसे देशों को एडवांस चिप्स बेचने के लिए अलग लाइसेंस लेना होगा। इन देशों में चिप्स के दूसरे देशों तक पहुंचाए जाने का जोखिम अधिक माना गया है।

क्लाउड के जरिए चिप्स इस्तेमाल करने का रास्ता बंद करने की तैयारी

इस नियम के पीछे सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल का मामला अहम बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने एनवीडिया से 4 अरब डॉलर से अधिक के चिप्स खरीदे और सिंगापुर-मलेशिया में डेटा सेंटर स्थापित किए। इन केंद्रों की कंप्यूटिंग क्षमता चीनी कंपनियों को किराए पर दी गई। इस तरह चीन सीधे चिप्स खरीदे बिना क्लाउड और रिमोट एक्सेस के जरिए अमेरिकी चिप्स पर AI मॉडल तैयार कर सकता था। नए नियम में रिमोट एक्सेस को भी एक्सपोर्ट के दायरे में लाने की व्यवस्था की गई है।

मेगास्पीड और एनवीडिया के पूर्व CEO का मामला इस पूरे प्रकरण में एनवीडिया के सह-संस्थापक और लंबे समय तक CEO रहे जेन्सन हुआंग का नाम भी चर्चा में आया है। रिपोर्ट्स में मेगास्पीड की CEO एलिस हुआंग के साथ उनके निजी संबंधों और चिप्स की चीन तक पहुंच को लेकर आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने एलिस हुआंग को चीनी खुफिया एजेंसी से जुड़ा बताया है, जबकि चीन ने इन आरोपों को निराधार कहा है। सिंगापुर पुलिस ने भी उनसे पूछताछ की थी। हालांकि, पुलिस के मुताबिक अपराध का पर्याप्त सबूत नहीं मिला, लेकिन कंपनी में उनकी भूमिका को लेकर गलत जानकारी देने की बात सामने आई थी।



संपादकीय : देर आयद

पिछले कई सालों से लगातार इस मौसम में प्रदूषण एक संकट के रूप में खड़ा हो जाता है । यह एक खुला तथ्य है कि इसके बावजूद न तो सरकार को एहतियाती कदमों को लेकर गंभीर होना जरूरी लगता है, न ही आम लोग अपने स्तर पर इस समस्या के कारणों पर नियंत्रण की कोशिश करते हैं। खासतौर पर दिवाली के त्योहार के मौके पर लोगों के भीतर जिस तरह की लापरवाही देखी जाती है, वह हैरान करने वाली होती है। प्रदूषण को ज्यादा जटिल बनाने में पटाखों की भूमिका छिपी नहीं रही है। उसके बावजूद बहुत सारे लोग बेलगाम होकर दिवाली पर आतिशबाजी करते हैं। नतीजतन, दिवाली की रात से लेकर अगले कई दिनों तक दिल्ली की आबोहवा में व्यापक पैमाने पर प्रदूषण घुल जाता है और पीएम 2.5 सूक्ष्म कणों की मात्रा बेहद खतरनाक स्तर पर चली जाती है। विचित्र है कि इस समस्या की मार झेलने के बावजूद लोग जश्न मनाने के लिए हवा में जहर घोलने वाले पटाखे चलाने की अपनी इच्छा पर नियंत्रण नहीं रख पाते । सवाल है कि इसका खमियाजा किसे भुगतना पड़ता है ! दूसरी ओर, सरकार की हालत यह है कि प्रदूषण के सवाल पर वह हर तरह की सख्ती बरतने की घोषणा करती है, बहनों की आवाजाही और पराली जलाने से लेकर निर्माण कार्यों पर रोक जैसे नियंत्रण के कई नियम लागू करती है, लेकिन आतिशबाजी को लेकर उसका रवै दुलमुल होता है। जब संकट का स्वरूप बेलगाम होने लगता है, तब रस्म पूरा करने के लिए वह और ज्यादा कड़े कदम उठाने की घोषणा करती है। इस साल दिवाली की रात और उसकी अगली सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ से भी काफी ज्यादा चला गया था। जाहिर है, अगर स्थिति इस हद तक बिगड़ने से रोकने के लिए सख्त कदम पहले उठाए गए होते, तो शायद प्रदूषण के संकट को थोड़ा कम किया जा सकता था। गौरतलब है कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद शनिवार को प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली सहित एनसीआर के शहरों में प्रदूषण नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय करने समेत कई निर्देश दिए। इसके अलावा, एनसीआर के 191 औद्योगिक इकाइयों को खेल करने के आदेश दिए गए। जबकि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 30 अक्तूबर को ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, जिन्होंने चायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाए थे। दिल्ली में प्रदूषण का संकट गहराने की वजहें किसी से छिपी नहीं हैं। ऐसा भी नहीं है कि सरकारी तंत्र को इस जटिल परिस्थिति का अंदाजा नहीं होता। मगर सरकार पहले से ही प्रदूषण पर नियंत्रण के नाम पर कई नियम - कायदे लागू करने की सिर्फ घोषणा करती रहती है। जबकि असली समस्या उनके कार्यान्वयन की है। जिन अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात सरकार अब कर रही है, क्या उन्हें समय रहते या प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने से पहले हर स्तर पर सजग रहने, नियमों पर अमल सुनिश्चित करने जैसी ड्यूटी ठीक से निभाने के स्पष्ट और सख्त निर्देश नहीं दिए जा सकते थे। जिन औद्योगिक इकाइयों को सील करने को कहा गया, जाहिर है, वे पहले से प्रदूषण फैला रही होंगी। अगर ऐसा था, तो सरकार को यह बात हालात बेकाबू होने के बाद क्यों समझ में आई ?

जोखिम का दायरा

जलवायु परिवर्तन से उपजे हालात की चिंता अब मौसम, खेती और समुद्र के बढ़ते स्तर तक सीमित नहीं रह सकती। इसकी तपिश गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशुओं के स्वास्थ्य पर भी पड़ रही है। अत्यधिक गर्मी से समयपूर्व प्रसव, मृत शिशु के जन्म और कम वजन के साथ जन्म का जोखिम बढ़ सकता है। जलवायु सम्मेलन यानी सीओपी 31 में विशेषज्ञों ने इसी संकट पर ध्यान खींचा है। गर्भावस्था में शरीर पर अतिरिक्त दबाव रहता है। लू, निर्जलीकरण और अत्यधिक तापमान इसे बढ़ा सकते हैं। खेतों, निर्माण स्थलों और खुले में दिहाड़ी करने वाली गर्भवती महिलाओं को काम रोकने पर आमदनी गंवाने का डर रहता है। झुग्गियों व कम हवादार घरों में रहने वाली महिलाओं के पास ठंडक व स्वच्छ पानी के साधन सीमित होते हैं। हालांकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने मई 2026 में गर्भावस्था के दौरान गर्मी से बचाव के लिए स्वास्थ्यकर्मियों तथा समुदाय के वास्ते दिशा-निर्देश जारी किए थे। अब असली चुनौती उन पर अमल की है। फिलहाल जरूरत इस बात की है कि कामकाजी महिलाओं के लिए विश्राम, छाया, पानी और भीषण गर्मी में काम से राहत सुनिश्चित हो । गर्भावस्था, प्रसव और नवजात के स्वास्थ्य के आंकड़ों का तापमान संबंधी आंकड़ों से मिलान हो, ताकि जोखिम की पहचान हो सके। जलवायु वित्त का पर्याप्त हिस्सा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मिलना चाहिए। गर्भधारण से बच्चे के दो वर्ष तक के शुरुआती एक हजार दिन भविष्य की नींव हैं। जलवायु अनुकूलन की सफलता का पैमाना केवल बुनियादी ढांचा नहीं, मां और बच्चे की सुरक्षा भी होनी चाहिए। अजन्मे जीवन को बचाना पर्यावरण नीति नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय की जिम्मेदारी है। यह चेतावनी है और प्रमाण भी, मगर कमी इच्छाशक्ति और धन की है। देशों को गर्भवती महिलाओं पर गर्मी के असर का रिकार्ड रखना, स्वास्थ्यकर्मियों के लिए दिशा-निर्देश बनाना और जलवायु वित्त में स्वास्थ्य का हिस्सा बढ़ाने की जरूरत है। जलवायु की फिक्र के बीच अनुकूलन का मतलब केवल बांध और तटबंध नहीं, उस मां की सुरक्षा भी है जो तपते दिन में काम पर निकलती है। जो पीढ़ी अभी गर्भ में है, उसका भविष्य आज की तैयारी पर टिका है।

भाजपा विधायक कैलाश मीणा को पंचायत चुनाव में झटका, गृह पंचायत में बेटा 238 वोटों से हारा; रिश्तेदार भी नहीं जीत सके





24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। गढ़ी विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार भाजपा विधायक बने कैलाश मीणा को पंचायत चुनाव में अपने ही क्षेत्र में सियासी झटका लगा है। विधायक की गृह पंचायत बोरी से सरपंच पद का चुनाव लड़ रहे उनके बेटे जनित कुमार को हार का सामना करना पड़ा। प्रतिद्वंद्वी राजेंद्र कुमार ने उन्हें 238 वोटों से हरा दिया। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र की मोर ग्राम पंचायत में विधायक के समर्थन से चुनाव लड़ने की चर्चा में रहे उनके रिश्तेदार को भी जीत नहीं मिली।

गृह पंचायत में बेटे को नहीं जिता पाए विधायक

कैलाश मीणा बोरी ग्राम पंचायत के चंदनपुरा गांव के निवासी हैं। उन्होंने अपनी ही ग्राम पंचायत से बेटे जनित कुमार को सरपंच पद का चुनाव लड़ाया था। मतगणना में राजेंद्र कुमार ने 238 मतों से जीत दर्ज की। लगातार दो बार विधायक रहने के बावजूद अपने ही गांव की पंचायत में बेटे की हार चर्चा का विषय बन गई है।

वायरल ऑडियो के बाद रिश्तेदार को भी झटका

चुनाव से तीन दिन पहले विधायक कैलाश मीणा और भाजपा मंडल महामंत्री के बीच कथित तीखी बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें मंडल महामंत्री ने विधायक पर मोर ग्राम पंचायत में अपने रिश्तेदार को सरपंच चुनाव में समर्थन देने का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। अब चुनाव परिणाम में विधायक के रिश्तेदार को भी हार का सामना करना पड़ा है।

आसन में बराबर वोट, लॉटरी से हुआ फैसला

सरेड़ी बड़ी पंचायत समिति की आसन ग्राम पंचायत में सरपंच पद का मुकाबला बराबरी पर छूटा। प्रत्याशी रामचंद्र कलासुआ और कचरा को 638-638 वोट मिले। इसके बाद निर्वाचन अधिकारियों ने नियमानुसार लॉटरी से परिणाम तय किया। इसमें रामचंद्र कलासुआ विजेता घोषित हुए।

पुराने शहर में अवैध निर्माण पर निगम की नजर, 14 होटल संचालकों को नोटिस; तीन दिन में मांगे दस्तावेज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के भीतरी इलाकों में बिना स्वीकृति अतिरिक्त मंजिलें बनाने और जरूरी अनुमतियों के बिना होटल व रूफटॉप रेस्टोरेंट संचालित करने के मामलों में नगर निगम ने सख्ती दिखाई है। निगम की राजस्व शाखा ने 14 होटल संचालकों को राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 की धारा 194 एवं 182 के तहत नोटिस जारी कर तीन दिन में निर्माण स्वीकृति, भू-उपयोग परिवर्तन और संचालन संबंधी दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। महापौर पारस सिंघवी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। कुछ समय पहले महापौर ने निगम अधिकारियों के साथ पुराने शहर का निरीक्षण किया था। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने बिना अनुमति अतिरिक्त मंजिलें बनाने, लोहे के स्ट्रक्चर पर रूफटॉप निर्माण और आवश्यक स्वीकृतियों के बिना होटल-रेस्टोरेंट चलाने की शिकायतें की थीं। सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। राजस्व शाखा के निरीक्षण में कुछ भवनों पर पहले से बने भूतल और दो-तीन मंजिलों के ऊपर लोहे के स्ट्रक्चर से एक-दो अतिरिक्त मंजिलें बनाए जाने की बात सामने आई। इनमें कुछ जगह रूफटॉप रेस्टोरेंट और होटल गतिविधियां भी संचालित पाई गईं। निरीक्षण के दौरान संबंधित संचालक निर्माण स्वीकृति, भू-उपयोग परिवर्तन और होटल-रेस्टोरेंट संचालन की जरूरी अनुमतियां प्रस्तुत नहीं कर सके। महापौर सिंघवी ने कहा कि पुराने शहर की संकरी गलियों और घनी आबादी के कारण आगजनी या अन्य आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में निर्माण नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। होटल और रूफटॉप रेस्टोरेंट संचालकों को सभी जरूरी अनुमतियां लेने और सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

उदयपुर में चांदी 500 और सोना 100 रुपए सस्ता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने और चांदी के भाव में नरमी रही। उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार 16 और 17 नवंबर के भावों की तुलना करें तो चांदी टंच 500 रुपए और चौरसा 500 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। वहीं सोने की विभिन्न श्रेणियों में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारी इंदरसिंह मेहता के अनुसार, 16 नवंबर को चांदी टंच 1,69,500 रुपए और चौरसा 1,68,500 रुपए प्रति किलोग्राम थी। 17 नवंबर को दोनों के भाव घटकर क्रमशः 1,69,000 और 1,68,000 रुपए रह गए। सोने में स्टैंडर्ड (999) का भाव 16 नवंबर को 1,35,000 रुपए था, जो 17 नवंबर को 1,34,900 रुपए रह गया। इसी तरह 23 कैरेट जेवराती सोना 1,29,600 से घटकर 1,29,505 रुपए और 22 कैरेट सोना 1,24,200 से घटकर 1,24,110 रुपए पर आ गया।

पेट्रोल पंपों पर विधिक माप विज्ञान विभाग की बड़ी कार्रवाई, शॉर्ट डिलीवरी पर दो नोजल बंद कर लगाया 24,000 रुपये का जुर्माना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 नवंबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को पेट्रोल एवं डीजल की निर्धारित मात्रा और शुद्धता सुनिश्चित करवाने के लिए उदयपुर जिले में पेट्रोल पंपों का औचक एवं सघन निरीक्षण किया गया। विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारी निलेश कुमार खांट एवं हिमानी सिंह सोलंकी के नेतृत्व में गठित दल ने विभिन्न पेट्रोल पंपों पर ईंधन वितरण व्यवस्था, डिस्पेंसिंग यूनिट (नोजल) तथा माप उपकरणों के सत्यापन की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मात्रा से कम ईंधन वितरण (शॉर्ट डिलीवरी) की शिकायतों की पुष्टि के लिए 5 लीटर क्षमता वाले प्रमाणित माप पात्र से जांच की गई। इस कार्रवाई में आशा फिलिंग स्टेशन एवं प्रदीप ऑटोमोबाइल के एक-एक नोजल से ईंधन की शॉर्ट डिलीवरी पाई गई, जिस पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से दोनों नोजलों से बिक्री बंद करवाते हुए प्रत्येक पंप संचालक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त, मौके पर सत्यापन प्रमाण पत्र प्रदर्शित न करने की अनियमितता पाए जाने पर माँ काली सर्विस सेंटर पर 500 रुपये तथा उदय फिलिंग स्टेशन पर 2,500 तथा चौतन्य फ्यूल्स पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, कबीर फिलिंग स्टेशन (आईओसीएल), उदय पेट्रोल (नायरा) तथा पंकज फिलिंग स्टेशन (बीपीसीएल) के निरीक्षण के दौरान माप-तौल एवं ईंधन वितरण व्यवस्थाएं पूरी तरह नियमानुसार सही और संतोषजनक पाई गईं। कार्रवाई के पश्चात विधिक माप विज्ञान अधिकारियों ने जिले के समस्त पेट्रोल पंप संचालकों को डिस्पेंसिंग यूनिट का समय पर सत्यापन करवाने और सत्यापन प्रमाण पत्र को सहज दृश्य स्थान पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए यह विशेष जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा और भविष्य में भी माप-तौल में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली स्नेह मिलन में जैन समाज की महिलाओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक नृत्यों ने बांधा समां



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सकल दिगम्बर जैन समाज की महिलाओं की ओर से सेक्टर-4 में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। मंगलाचरण से शुरू हुए कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सवी माहौल बना दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को दीपावली और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। मनोरंजक गतिविधियों के साथ आपसी मेल-मिलाप और सांस्कृतिक परंपराओं का उत्साह भी नजर आया। संयोजिका अलका जैन और मेघना जैन ने बताया कि ऐसे आयोजन समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाने के साथ उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर देते हैं। उन्होंने आयोजन में सहयोग और सहभागिता के लिए सभी का आभार जताया। समारोह में अलका जैन, मेघना जैन, ममता जैन, उषा जैन, मीनाक्षी जैन, कविता जैन, रानू जैन, सपना जैन, संगीता जैन, प्रीति जैन, शर्मिला जैन, मीना जैन, नेहा जैन, आकांक्षा जैन, साधना जैन, अंकिता जैन, शोभना जैन, सोनिका जैन, दीपिका जैन, शिल्पी जैन, प्रियंका जैन और अनीता जैन सहित समाज की अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।



समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण-पत्र से शिक्षक भर्ती में चयन की कोशिश, जालौर की महिला ने किया सरेंडर



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 में ताइक्वांडो के कथित फर्जी खेल प्रमाण-पत्र के आधार पर चयन सूची में जगह बनाने के मामले में एक और महिला अभ्यर्थी ने आत्मसमर्पण कर दिया। जालौर निवासी सुनीता (34) ने सोमवार को जयपुर महानगर द्वितीय स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में सरेंडर किया। अदालत ने उसे 19 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर एसओजी को सौंप दिया है। एडीजी एसओजी राजस्थान विशाल बंसल के अनुसार, कर्मचारी चयन बोर्ड ने वर्ष 2022 में तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल-1 भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें खेल कोटे के तहत 2 प्रतिशत पद निर्धारित थे। ताइक्वांडो के खेल प्रमाण-पत्रों के आधार पर तैयार दो गुना चयन सूची में 38 अभ्यर्थियों ने जगह बनाई थी। इन अभ्यर्थियों ने चयन समिति के सामने राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए थे।

फर्जी ईमेल से भेजी गई थी सत्यापन रिपोर्ट

एसओजी की जांच में सामने आया कि कुछ अभ्यर्थियों ने दलालों के माध्यम से कथित फर्जी खेल प्रमाण-पत्र हासिल किए थे। इसके सत्यापन के लिए ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद के नाम से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी बनाई गई। इसी के जरिए प्रमाण-पत्रों की सत्यापन रिपोर्ट प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की नियुक्ति शाखा के आधिकारिक ईमेल पर भेजी गई थी। इस मामले में फर्जी ईमेल आईडी से सत्यापन रिपोर्ट भेजने के आरोपी बिमलेन्दु कुमार झा और उसके साथी कमल सिंह को 7 मई 2025 को गिरफ्तार किया गया था।

अब तक 24 अभ्यर्थी गिरफ्तार

एसओजी नामजद 38 अभ्यर्थियों में से अब तक 24 को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके अलावा तीन सहयोगियों और पांच दलालों को भी पकड़ा जा चुका है। आत्मसमर्पण करने वाली सुनीता ने भी ताइक्वांडो प्रमाण-पत्र के आधार पर दो गुना चयन सूची में जगह बनाई थी और चयन समिति के समक्ष दस्तावेज सत्यापन के लिए जमा करवाए थे। एसओजी अब उससे पूछताछ कर फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार करने और सत्यापन के नेटवर्क से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

होटल की पार्किंग में कार साइड लगाने के बहाने चुराई लाइसेंसी पिस्टल, 20 कारतूस समेत टैक्सी चालक गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लेकसिटी में घूमने आए हरियाणा के पर्यटक की कार से लाइसेंसी पिस्टल, दो मैगजीन और 20 जिंदा कारतूस चोरी करने के मामले में सूरजपोल पुलिस ने आरोपी टैक्सी चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की पिस्टल, दोनों मैगजीन और सभी 20 कारतूस बरामद कर लिए हैं। आरोपी की तलाश में पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी नगर पूर्व छवि शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी सूरजपोल कमलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, सोनीपत (हरियाणा) निवासी ओमप्रकाश चौधरी पुत्र भीमसिंह चौधरी उदयपुर घूमने आए थे। वे भटियानी चौहट्टा स्थित होटल मनोर में ठहरे हुए थे। 12 नवंबर को होटल की पार्किंग में खड़ी उनकी कार से डैशबोर्ड में रखी लाइसेंसी पिस्टल, दो मैगजीन और 20 कारतूस चोरी हो गए। इस संबंध में 13 नवंबर को सूरजपोल थाने में प्रकरण संख्या 399/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान विशेष टीम ने घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। साथ ही गाइड, होटल कर्मचारियों और टैक्सी चालकों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने 17 नवंबर को बलीचा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी जयप्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पेशे से टैक्सी चालक है। वह 12 नवंबर को सूरत (गुजरात) से पर्यटकों को लेकर उदयपुर आया था। इसी दौरान होटल मनोर की पार्किंग में खड़ी ओमप्रकाश चौधरी की कार को साइड में लगाने के बहाने उसने चाबी ली और डैशबोर्ड में रखी पिस्टल, दो मैगजीन और 20 कारतूस चुरा लिए। इसके बाद वह उदयपुर से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी जयप्रताप सिंह पुत्र मनोज सिंह, निवासी धनपुर, थाना फतनपुर, जिला प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) है। पुलिस ने उसके खिलाफ चोरी के साथ आर्म्स एक्ट की धाराओं में भी कार्रवाई की है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी कमलेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह, सहायक उप निरीक्षक शरीफ खान, कांस्टेबल भावेश गुर्जर (नंबर 98) और कांस्टेबल कृष्णपाल सिंह (नंबर 2109) शामिल थे। पुलिस के अनुसार, चन्द्रभान सिंह और भावेश गुर्जर की इस कार्रवाई में विशेष भूमिका रही। गया।

सुपारी मांगने के बहाने महिला की चेन झपटी, डूंगरपुर पुलिस ने दो और आरोपी पकड़े



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। कोतवाली पुलिस ने मुरला गणेश रोड पर किराना दुकान में बैठी महिला के गले से सोने की चेन झपटने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस ने पहले मुख्य आरोपी सुनील उर्फ लक्की को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल बाइक जब्त की थी। इसके बाद जांच के आधार पर गोपाल कृष्ण और दिनेश खराड़ी को भी गिरफ्तार किया गया। कोतवाली सीआई हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि भंडारिया निवासी माया भोई ने वारदात की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 10 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12:35 बजे माया अपनी बहू अश्विनी और पड़ोसी आशा बाई के साथ घर के अंदर बनी किराना दुकान पर बैठी थीं। इसी दौरान बिना नंबर की बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे। एक युवक ने माया से सुपारी मांगी। जैसे ही उन्होंने काउंटर से सुपारी निकालकर दी, युवक उनके गले से सोने की चेन झपटकर साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बाइक पर घूमकर महिलाओं के गले से चेन झपटने के साथ सूने मकानों में चोरी की वारदातें भी करते थे। इन वारदातों से मिलने वाली रकम वे अपने शौक और ऐशो-आराम पर खर्च करते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिले के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और चेन झपटने के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

8 लाख का सोना बैंक से छुड़ाकर भागा कस्टमर

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। सदर बाजार थाना क्षेत्र में सोमवार को करीब 8 लाख रुपए के सोने की लूट की सूचना से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। शुरुआती जांच में मामला लूट का नहीं, बल्कि फाइनेंस कंपनी से रकम लेकर बैंक में गिरवी रखा सोना छुड़ाने के बाद ग्राहक के फरार होने का सामने आया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम को वित्तीय लेन-देन और संभावित धोखाधड़ी के एंगल से जांच रही है। जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट क्षेत्र में संचालित एक फाइनेंस कंपनी उन ग्राहकों को आर्थिक मदद उपलब्ध कराती है, जिनका बैंक खाता डूबत श्रेणी में चला गया है और बैंक में उनका सोना गिरवी रखा हुआ है। इसी सिलसिले में बावड़ी क्षेत्र का एक व्यक्ति कंपनी के संपर्क में आया था। उसे बैंक में गिरवी रखा सोना छुड़वाना था। कंपनी ने इसके लिए करीब 8 लाख रुपए की व्यवस्था की। कंपनी का कर्मचारी भी ग्राहक के साथ बैंक पहुंचा। वहां सोना छुड़वाने की प्रक्रिया के तहत 8 लाख रुपए ग्राहक के खाते में जमा करवाए गए। बैंक की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सोना लेकर दोनों बाहर निकले। आरोप है कि बैंक से बाहर आते ही ग्राहक ने तय समझौते के अनुसार सोना कंपनी के कर्मचारी को सौंपने के बजाय अपने पास रखा और वहां से फरार हो गया। सूत्रों के मुताबिक, फाइनेंस कंपनी ने लेन-देन की सुरक्षा के लिए ग्राहक के चेक भी अपने पास रखे हुए हैं। सदर बाजार थाना पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में लूट की सूचना सही नहीं पाई गई है।

अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाई, सात जगह पकड़ी शराब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अवैध शराब के कारोबार और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सोमवार को शहर से लेकर ग्रामीण थाना क्षेत्रों तक कार्रवाई करते हुए सात अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए। इन कार्रवाइयों में देशी महुए की हथकड़ शराब और अंग्रेजी शराब के पव्वे जब्त किए गए। पुलिस ने संबंधित आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार हिरणमगरी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाई की गई। एक मामले में निचली सिगरी निवासी प्रभुलाल खराड़ी के कब्जे से पांच लीटर अवैध महुए की हथकड़ शराब मिली, जबकि दूसरी कार्रवाई में शंकरलाल मीणा के कब्जे से 50 पव्वे लॉयन शराब बरामद किए गए। पाटिया थाना पुलिस ने गणेश घाटी क्षेत्र में कार्रवाई कर बंशीलाल खराड़ी को 30 पव्वे शराब के साथ पकड़ा। सूरजपोल थाना क्षेत्र में गुलाब बाग पार्किंग के पास करण सिंह के कब्जे से अवैध रूप से रखी और परिवहन की जा रही देशी महुआ शराब बरामद की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस ने कार्रवाई जारी रखी। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने बड़बड़ेश्वर क्षेत्र में अनिल गमेती के कब्जे से पांच लीटर देशी महुए की कच्ची हथकड़ शराब पकड़ी। भींडर थाना पुलिस ने चोहानों का खेड़ा क्षेत्र में मांगीलाल के कब्जे से पांच लीटर महुआ शराब बरामद की। वहीं ओगणा थाना पुलिस ने कुकड़ाखेड़ा रोड पर काना को अवैध महुआ शराब का परिवहन करते पकड़ा। पुलिस ने सभी मामलों में राजस्थान आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पर्यटकों को बिना लाइसेंस घुमाने वाले तीन व्यक्ति पकड़े, स्कूल के पास तंबाकू बेचने पर दुकानदार पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यटन नगरी में पर्यटकों को बिना वैध लाइसेंस शहर भ्रमण कराने और खरीदारी के लिए कथित तौर पर मजबूर करने के मामलों में हाथीपोल थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं, फलासिया में स्कूल के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचने पर एक दुकानदार के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार हाथीपोल थाना क्षेत्र में 16 नवंबर को तीन अलग-अलग कार्रवाई की गई। मोती मगरी गेट, राड़ाजी बावजी मंदिर के पहले और एक अन्य पर्यटन स्थल पर मिले तीन व्यक्तियों के पास पर्यटन विभाग का वैध लाइसेंस नहीं था। आरोप है कि ये लोग पर्यटकों को कम दरों पर शहर घुमाने का झांसा देकर अपने साथ ले जाते और उन्हें खरीदारी के लिए दुकानों पर जाने को मजबूर करते थे। पुलिस ने राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम 2010 की धारा 13(1)(2) के तहत तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। इनमें समीर खान, नारायणलाल वागरिया और अमृत नट के नाम सामने आए हैं। इसी तरह फलासिया थाना पुलिस ने निचली सिगरी क्षेत्र में एक दुकान पर कार्रवाई की। आरोप है कि दुकानदार स्कूल की 100 मीटर की परिधि में बिना वैध अनुमति धूम्रपान सामग्री बेच रहा था। पुलिस ने राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज किया है।

जीप की टक्कर से भाई—भतीजा घायल

उदयपुर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में मौथली पुलके पास तेज रफ्तार जीप की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने जीप चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पालवाड़ा निवासी सुनील मीणा ने रिपोर्ट दी कि 8 नवंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे उसके भाई संदीप और भतीजे आर्यन को जीप ने टक्कर मार दी। आरोप है कि गुजरात नंबर की जीप (GJ 31 T 6980) का चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। हादसे में दोनों को चोटें आईं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 125(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

घर नहीं पहुंचीं दो बहनें, चौराहे पर लावारिस मिली स्कूटी

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र में दो बहनों के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों शाम को बड़ी बहन के घर से स्कूटी लेकर अपने घर के लिए निकली थीं, लेकिन घर नहीं पहुंचीं। बाद में उनकी स्कूटी डबोक चौराहे पर लावारिस हालत में खड़ी मिली। पुलिस के अनुसार 16 नवंबर को इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। परिजनों ने दोनों बहनों के घर नहीं पहुंचने पर तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(2) के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की है। फिलहाल किसी अज्ञात व्यक्ति की भूमिका सामने आने की पुष्टि नहीं हुई है।

रेलवे स्टेशन से बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। फतहनगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। वल्लभनगर थाना क्षेत्र के ईटाली निवासी दीनबंधु पालीवाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (RJ 27 SG-0558) अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया। रिपोर्ट के अनुसार बाइक 14 नवंबर से 15 नवंबर के बीच रेलवे स्टेशन फतहनगर क्षेत्र में थी। काफी तलाश के बावजूद उसका पता नहीं चला। पुलिस ने 16 नवंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, दो महिलाओं के खिलाफ मामला

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र की रोशन कॉलोनी में घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में दो महिलाओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 33 वर्षीय नीलम जोशी ने रिपोर्ट में बताया कि 15 नवंबर को कृष्णा विला क्षेत्र में आरोपियों ने उसके घर में प्रवेश कर उसके साथ लड़ाई-झगड़ा और मारपीट की। मामले में निर्मला जोशी सहित अन्य के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 333, 61(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

रास्ता रोककर दो दोस्तों से मारपीट, मोबाइल और बाइक लूटने का आरोप

उदयपुर। फलासिया थाना क्षेत्र में दो युवकों का रास्ता रोककर मारपीट करने और मोबाइल व मोटरसाइकिल लूटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाश दोनों युवकों को अपने वाहन में बैठाकर दूसरी जगह ले गए और वहां भी उनके साथ मारपीट की। पुलिस के अनुसार 15 वर्षीय पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 14 नवंबर की रात करीब 9 बजे ढोढावड़ के समीप आरोपियों ने उसका और उसके दोस्त का रास्ता रोक लिया। दोनों के साथ मारपीट कर तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल लूट ली गई। इसके बाद दोनों को दूसरी जगह ले जाकर फिर मारपीट की और आरोपी फरार हो गए। रिपोर्ट में सिकन्दर उर्फ सिकु निवासी सड़ा का नाम सामने आया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 309(6) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्रतापनगर में महिला से मारपीट, दो युवकों के खिलाफ केस

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में महिला के साथ मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। जोगमाया ट्रेडर्स क्षेत्र से जुड़े इस मामले में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 15 नवंबर की रात करीब 8 बजे हुई घटना की रिपोर्ट अगले दिन दर्ज कराई गई। परिवादिया ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मामले में लक्ष्य और विकास के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पर 10 दिन में फैसला लेगी सरकार, हाईकोर्ट को दी जानकारी



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रदेश के वकीलों की सुरक्षा से जुड़े एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल-2023 पर राज्य सरकार 10 दिन में अंतिम निर्णय लेगी। सरकार ने मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तय की। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ में सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने बताया कि पंचायत चुनाव के कारण प्रदेश में आचार संहिता लागू है। इसके हटने के साथ ही सरकार 10 दिन में बिल पर निर्णय लेकर अदालत को अवगत कराएगी। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। ऐसा नहीं होने पर मुख्य सचिव को मंगलवार को अदालत में पेश होकर स्पष्टीकरण देना था। हालांकि, सरकारी वकील ने उनकी ओर से हाजिरी माफी का प्रार्थना-पत्र पेश किया। बताया गया कि मुख्य सचिव आधिकारिक दौरे पर कोरिया गए हुए हैं। इसके समर्थन में राज्यपाल की अनुमति का आदेश भी अदालत में प्रस्तुत किया गया।

मई 2025 के बाद कार्रवाई नहीं होने पर उठाए थे सवाल

पिछली सुनवाई में अदालत ने सरकार से पूछा था कि मई 2025 के बाद से बिल पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस पर सरकार ने गृह मंत्रालय की ओर से राज्य के विधि एवं विधिक कार्य विभाग के प्रमुख सचिव को 26 मई 2026 को भेजे गए पत्र की प्रति पेश की थी। इसमें एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल-2023 पर पुनर्विचार, समीक्षा या इसे वापस लेने का आग्रह किया गया था। इसके बाद 25 जून को इस संबंध में टिप्पणियां मांगी गई थीं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया था।

जयसमंद से उदयपुर तक बदलेगी जर्जर पेयजल लाइन, 11.83 करोड़ मंजूर; शहर की कॉलोनियों को भी मिलेगी राहत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में पेयजल आपूर्ति का दबाव सुधारने और बार-बार होने वाले लीकेज से पानी की बर्बादी रोकने के लिए जयसमंद से शहर तक आने वाली मुख्य पाइपलाइन बदली जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार ने 11.83 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इसके अलावा शहर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में पुरानी पाइपलाइन बदलने और नई लाइन बिछाने के लिए 5 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। कार्य को तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शहर विधायक ताराचंद जैन के प्रयासों के बाद मिली इस स्वीकृति से पेयजल व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। हाल ही में विधायक और जलदाय विभाग के अधिकारियों के बीच हुई समीक्षा बैठक में शहर की जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई थी। इसमें सामने आया कि जयसमंद से उदयपुर तक आने वाली मुख्य पाइपलाइन काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह लीकेज के कारण बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह रहा है और शहर में पर्याप्त दबाव से जलापूर्ति नहीं हो पा रही है।

विधायक जैन ने इस समस्या को राज्य सरकार, जलदाय मंत्री और विभागीय अधिकारियों के समक्ष उठाया। मुख्यमंत्री और जलदाय मंत्री से मुलाकात कर उन्होंने मुख्य पाइपलाइन बदलने की आवश्यकता बताई। विभागीय अधिकारियों के तकनीकी आकलन के बाद सरकार ने 11.83 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। नई पाइपलाइन पुराने के मुकाबले अधिक व्यास की होगी, जिससे पानी की आपूर्ति का दबाव बेहतर होने की उम्मीद है।

इन कॉलोनियों में भी बिछेगी नई लाइन

मुख्य पाइपलाइन के अलावा शहर की कई कॉलोनियों में भी पेयजल व्यवस्था सुधारी जाएगी। इसके लिए स्वीकृत 5 करोड़ रुपए की राशि से भोपा मगरी, जल विहार कॉलोनी सेक्टर-3, ऋषि नगर सेक्टर-3, समता नगर सेक्टर-3, नाकोड़ा नगर सेक्टर-3, शिव कॉलोनी सेक्टर-6, फतेहपुरा चौराहे के पीछे महालक्ष्मी नगर, मीरा होटल के पास सरदारपुरा की गली, बड़ी टीबी हॉस्पिटल के पास का क्षेत्र और चित्रकूट नगर में पुरानी पाइपलाइन बदली जाएगी अथवा जरूरत के अनुसार नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

राजस्थान में हिंदुस्तान जिंक का 80 हजार करोड़ का विस्तार, जिंक उत्पादन दोगुना होगा; दो लाख रोजगार के अवसर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड राजस्थान में अपने औद्योगिक विस्तार पर 80 हजार करोड़ रुपए निवेश करेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने इस निवेश को मंजूरी दे दी है। अगले तीन से पांच वर्षों में कंपनी अपनी जिंक उत्पादन क्षमता दोगुनी कर 20 लाख टन प्रतिवर्ष और चांदी उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 1500 टन प्रतिवर्ष करने की तैयारी में है। कंपनी के अनुसार, इस विस्तार से राजस्थान को हर साल करीब 12 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलने की संभावना है, जबकि दो लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के इस विस्तार में नए जिंक एवं लेड स्मेल्टर, सिल्वर रिफाइनरी तथा मौजूदा खदानों और मिलों की क्षमता बढ़ाने की परियोजनाएं शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ वह वैश्विक जिंक मांग का लगभग 15 प्रतिशत पूरा कर सकेगी। विस्तार के बाद कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी जिंक और चांदी उत्पादक कंपनी बनने का लक्ष्य रखती है।

500 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को मिलेगा अवसर

वेदांता समूह राजस्थान का सबसे बड़ा निजी निवेशक है और अब तक प्रदेश में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर चुका है। हिंदुस्तान जिंक का यह नया निवेश समूह की ओर से राजस्थान में प्रस्तावित अतिरिक्त एक लाख करोड़ रुपए की निवेश योजना का हिस्सा है। कंपनी के मुताबिक, विस्तार परियोजनाओं से दो लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा 500 से ज्यादा एमएसएमई इकाइयों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

हिंदुस्तान जिंक भारत में जिंक, लेड और सिल्वर का सबसे बड़ा तथा एकमात्र एकीकृत उत्पादक है। वर्ष 2002 में भारत सरकार के विनिवेश और इसके बाद वेदांता समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद कंपनी के जिंक उत्पादन में चार गुना और चांदी उत्पादन में 20 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। कंपनी के पास 25 वर्षों से अधिक की खनन क्षमता के साथ दुनिया के दूसरे सबसे बड़े जिंक भंडार एवं संसाधन हैं। यह दुनिया के सबसे कम लागत वाले जिंक उत्पादकों में भी शामिल है।

भीलवाड़ा में विकसित होगा जिंक इंडस्ट्रियल पार्क

कंपनी राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में जिंक इंडस्ट्रियल पार्क भी विकसित कर रही है। यहां जिंक आधारित उद्योगों को कारोबार के लिए साझा औद्योगिक मंच उपलब्ध कराया जाएगा। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई और नए उद्यमियों को भी इसमें अवसर मिलेंगे। कंपनी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और अनुसंधान सुविधाओं के माध्यम से नए उत्पादों तथा विशेष मिश्रधातुओं के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पार्क से हजारों रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना जताई गई है।

सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ेगी उपयोगिता

जिंक का इस्तेमाल स्टील को जंग से बचाने, निर्माण, ऑटोमोबाइल और विनिर्माण क्षेत्रों में होता है। चांदी की मांग इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, चिकित्सा उपकरण और नैनो टेक्नोलॉजी में बढ़ रही है। वहीं लेड का उपयोग ऊर्जा भंडारण प्रणालियों, बैटरियों, रक्षा क्षेत्र और विकिरण सुरक्षा में किया जाता है। कंपनी की प्रस्तावित उर्वरक निर्माण क्षमता से देश की खाद्य एवं उर्वरक सुरक्षा को मजबूती मिलने की बात भी कही गई है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि 'हिंदुस्तान जिंक 2.0' कंपनी की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। राजस्थान में निवेश के साथ माइंस, मिलों और स्मेल्टरों की क्षमता बढ़ाकर कंपनी देश की औद्योगिक प्रगति में योगदान देना चाहती है। इस परियोजना से रोजगार सृजन, स्थानीय व्यवसायों के विकास और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को गति मिलेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य

एचजेडएल 2.0 योजना तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इनमें मल्टी-मेटल कंपनी के रूप में विस्तार, परिचालन में सतत विकास और सर्कुलर इकॉनॉमी को बढ़ावा तथा भविष्य की तकनीकों और खनिज अन्वेषण में निवेश शामिल हैं।

कीर्ति स्तम्भ को वैज्ञानिक संरक्षण, ढाई महीने चलेगी पत्थरों की देखभाल, पुरातत्व विभाग की जयपुर साइंस ब्रांच जुटी



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ दुर्ग की पहचान और स्थापत्य वैभव के प्रतीक कीर्ति स्तम्भ की अब वैज्ञानिक तरीके से देखभाल की जा रही है। सदियों पुराने इस स्मारक को चमकाने के बजाय उसकी मूल संरचना और पत्थरों की उम्र बचाने पर जोर है। पुरातत्व विभाग की जयपुर मुख्यालय स्थित साइंस ब्रांच की टीम विशेष रसायनों और तकनीकी प्रक्रियाओं के जरिए स्तम्भ की बाहरी सतह का संरक्षण कर रही है। करीब ढाई से तीन महीने तक चलने वाली इस प्रक्रिया में पत्थरों पर जमी गंदगी, दाग और सतह को प्रभावित करने वाले तत्व हटाए जाएंगे। यह सामान्य सफाई अभियान नहीं, बल्कि वैज्ञानिक संरक्षण की प्रक्रिया है। पुरातत्व विभाग की असिस्टेंट आर्कियोलॉजिकल नीतू सिंह के अनुसार, स्तम्भ पर साइंटिफिक कंजर्वेशन और प्रिजर्वेशन का काम किया जा रहा है। इसके तहत माइल्ड सॉल्वेंट और विशेष रसायनों से केमिकल वॉश किया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया में इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि पत्थरों की मूल बनावट, रंग और ऐतिहासिक स्वरूप प्रभावित न हों।

बंदरों की गंदगी से बने धब्बे भी चुनौती

कीर्ति स्तम्भ की बाहरी सतह पर कई जगह काले और भूरे रंग के पैच दिखाई देते हैं। बंदरों के यूरिन और दूसरी गंदगी के कारण बने ये निशान लंबे समय तक पत्थरों पर बने रहने से उनकी सतह को नुकसान पहुंचा सकते हैं। संरक्षण कार्य के दौरान इन धब्बों को भी वैज्ञानिक तरीके से हटाया जा रहा है। उद्देश्य केवल स्तम्भ को साफ-सुथरा दिखाना नहीं, बल्कि उन तत्वों को हटाना है जो धीरे-धीरे पत्थरों के प्राकृतिक क्षरण की वजह बन सकते हैं।

हर साल नहीं होती ऐसी प्रक्रिया

पुरातत्व विभाग के अनुसार ऐतिहासिक स्मारकों का इस तरह का वैज्ञानिक संरक्षण नियमित वार्षिक गतिविधि नहीं है। जरूरत और स्मारक की स्थिति के आधार पर सामान्यतः 15 से 20 साल के अंतराल पर ऐसा काम कराया जाता है। लंबे समय तक बाहरी वातावरण, गंदगी और अन्य कारकों के संपर्क में रहने से पत्थरों की सतह प्रभावित होती है। समय रहते संरक्षण नहीं होने पर उनका प्राकृतिक क्षरण तेज हो सकता है। इसलिए इस काम में किसी तरह का नया निर्माण या सौंदर्यीकरण शामिल नहीं है। कोशिश यह है कि कीर्ति स्तम्भ का मूल स्वरूप जस का तस रहे और उसकी ऐतिहासिक संरचना आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनी रहे। करीब ढाई से तीन महीने में काम पूरा होने की संभावना है। बजट के संबंध में विभाग की ओर से जानकारी साझा नहीं की गई है। फिलहाल जयपुर से आई विशेषज्ञ टीम संरक्षण के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार काम कर रही है।

श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में भव्य अन्नकूट महोत्सव संपन्न, 56 भोग अर्पित कर की गई महाआरती, सुंदरकांड पाठ में श्रद्धालुओं ने लिया भाग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 नवंबर। पानेरियों की मादड़ी स्थित मयूरवन कॉलोनी के श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान नर्मदेश्वर महादेव को छप्पन भोग अर्पित किए गए। क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं की ओर से विभिन्न प्रकार के व्यंजनों और मिठाइयों का भोग धराया गया। मंदिर परिसर में आकर्षक ढंग से विशाल अन्नकूट सजाया गया, जिसमें लड्डू, बर्फी, पेड़ा, हलवा, चिप्स सहित विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिठाइयां शामिल थीं। भगवान शिव के मनमोहक श्रृंगार एवं अन्नकूट की साज-सज्जा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। महाआरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। महाआरती के पश्चात पंडित विशाल एवं भजन गायक के सान्निध्य में सुंदरकांड का संगीतमय पाठ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। मंदिर समिति के डॉ. भारत भूषण ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव क्षेत्रवासियों के सामूहिक सहयोग एवं सहभागिता से आयोजित किया गया। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव एवं धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर अरविन्द जारोली, शांतिलाल, गजेंद्र सिंह राठौड़, मनीष भाटी, बजरंग वैष्णव, राजकुमार शर्मा, रमेश पाटीदार, राजेंद्र सिंह, छोगालाल, दलपत कुम्भट गोतम , बालकृष्ण,अंजना श्रीमाली, प्रीती भार्गव सहित अनेक क्षेत्रवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

35 प्रतिभागियों ने दिया ऑडिशन, 24 का चयन; 21 नवंबर को सजेगी 'औदीच्य सुरभि' की संगीत संध्या

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सहस्त्र औदीच्य समाज ट्रस्ट की युवा शाखा सहस्त्र औदीच्य युवा शक्ति की ओर से आयोजित होने वाली संगीत संध्या 'औदीच्य सुरभि' के लिए 15 नवंबर को समाज की नवी धर्मशाला परिसर में ऑडिशन हुए। इनमें करीब 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से चयन प्रक्रिया के बाद 24 प्रतिभागियों को कार्यक्रम के लिए चुना गया। युवा शक्ति के अध्यक्ष भुवन रावल ने बताया कि समाज की प्रतिभाओं को मंच देने और उनके हुनर को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक सुगंधा मेहता ने बताया कि प्रतिभागियों ने एकल, युगल और समूह गायन, विभिन्न नृत्य विधाओं, वाद्ययंत्र वादन, स्टैंडअप कॉमेडी, एकल अभिनय और मूकाभिनय के लिए ऑडिशन दिए। ऑडिशन और चयन प्रक्रिया का संयोजन सुगंधा मेहता, सपना व्यास और अदिति शर्मा ने किया। चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए समाज से बाहर की संस्था अर्बुदा कला मंदिर की श्रीमती निकिता अग्रवाल और उनकी टीम का सहयोग लिया गया। 'औदीच्य सुरभि' का आयोजन 21 नवंबर 2026, शनिवार को सूरजपोल के निकट राजस्थान कृषि महाविद्यालय के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में होगा। भुवन रावल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज की छिपी प्रतिभाओं को मंच देने के साथ सांस्कृतिक एकता और नई पीढ़ी की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है।

देव प्रबोधनी एकादशी पर 20 नवंबर को शक्तिनगर में निकलेगी प्रभात फेरी, भजनों के साथ होगा नगर भ्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। देव प्रबोधनी एकादशी के अवसर पर शुक्रवार, 20 नवंबर को शक्तिनगर क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। सुबह 6 बजे वैकुण्ठ धाम से शुरू होने वाली इस धार्मिक यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु और सेवाधारी संगत के सदस्य शामिल होंगे। आयोजन प्रमुख गुरुजी शैलेश ब्रिजवानी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी सेवाधारी संगत के सहयोग से एकादशी महोत्सव मनाया जा रहा है। प्रभात फेरी में श्रद्धालु भजन-कीर्तन और गुरुजी का गुणगान करते हुए पूरे शक्तिनगर क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। यात्रा का समापन पुनः संत निवास (वैकुण्ठ धाम) पर होगा, जहां सामूहिक प्रार्थना की जाएगी। सेवादार प्रेम गखरेजा ने धर्मप्रेमियों से सुबह निर्धारित समय पर पहुंचकर आयोजन में शामिल होने की अपील की। आयोजन की तैयारियों में विजय डोडेजा, अनिल पाहुजा, कुशल चावला, भारत पाहुजा, प्रकाश बुधराज और प्रीतम कालरा सहित सेवाधारी जुटे हुए हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।